जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 48 संख्याः 99 प्रभात बीकानेर, सोमवार 26 अक्टूबर, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

राहुल गांधी ने व्यापारियों का अनुरोध ठुकराया, महारैली 1 नवम्बर को होगी

कांग्रेस नेता ने लोकतंत्र की चिंता करने वाले सभी लोगों को रैली में पहुँचने की अपील की

■ कांग्रेस अध्यक्ष ने सभी पार्टी सांसदों को 30 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक दिल्ली में रहने के निर्देश दिए।

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों से 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली "वोट बचाओ, देश बचाओ जन मार्च और महारैली" में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों सहित लोकतंत्र की चिंता करने वाले सभी लोगों से इस कार्यक्रम में पहुंचने को कहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं और नियम-कानूनों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि वोट के अधिकार की रक्षा के लिए लोगों को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए। हालांकि राहुल गांधी या कांग्रेस ने चेम्बर ऑफ ट्रेड एण्ड इंडस्ट्री (सी.टी.आई.) के उस पत्र का कोई जिक्र नहीं किया जिसमें उनसे रैली को आगे बढ़ ाने की अपील की गई थी।

राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी और कहा, अब देश की जनता इसका जवाब देगी।

राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह भाजपा और उसके सहयोगियों का दिल से धन्यवाद करते हैं, क्योंकि वे इस कार्यक्रम का जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं और इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा रहे हैं।

दरअसल, चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी को पत्र लिखकर 1 नवंबर की रैली को स्थगित करने का अनुरोध किया गया था। नेता प्रतिपक्ष को लिखे पत्र में व्यापारियों ने राहुल गांधी से निवेदन किया था कि कांग्रेस इस रैली को त्योहारों तक के लिए टाल दे। लेकिन कांग्रेस ने उनके इस अनुरोध को नकार दिया और राहुल गांधी ने 1 नवंबर की रैली के लिए एलान कर दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के सभी सांसदों से 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक दिल्ली में मौजूद रहने का आग्रह किया है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों ने चुनाव आयोग (ईसी) और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) पर चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठाए हैं।

खड़गे ने पार्टी सांसदों से अपने संदेश में कहा है कि इन तीन दिनों के दौरान वोट चोरी के मुद्दे पर जारी विरोध प्रदर्शनों और चुनाव आयोग तथा मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा की गई कथित गड़बड़ियों के खुलासों को देखते हुए सभी सांसद दिल्ली में मौजूद रहें। पार्टी का यह निर्देश आगामी जन मार्च और मेगा रैली की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

फ्रांस में लाखों प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरे, एक हजार गिरफ्तार

पेरिस, 25 अक्टूबर। फ्रांस के अलग-अलग शहरों में शनिवार देर रात हुए विरोध प्रदर्शनों में लाखों लोग सड़कों पर उतरे जिसके बाद कई जगहों पर पुलिस से झड़पें भी हुईं। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान लगभग 1,000 लोगों को गिरफ़्तार किया गया।

पहले शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए थे, उस दौरान पुलिस ने पेरिस समेत कई शहरों

■ महंगाई के खिलाफ आंदोलन में कई जगह पुलिस ने आँसू गैस व वॉटर कैनन का उपयोग किया।

में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया था। मार्सेय में बैरिकेड्स में आग लगा दी गई और लोगों ने बोर्डों में एक दुकान में तोड़ फोड़ की। अधिकारियों ने दावा किया है कि पिछले सप्ताह में देखी गई व्यापक स्तर की हिंसा और लूटपाट से बचने में इस बार अबतक कामयाबी मिली है।

इन प्रदर्शनों के दौरान ऐसी तस्वीरें आईं जिन्हें फ्रांस में अबतक की सबसे ख़राब परिस्थितियां कहा जा रहा है।

गृह मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को क़रीब चार लाख से ज़्यादा लोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ सरकार के प्रति जरुरत से ज्यादा नरम थे'

पूर्व न्यायाधीश कौल की पुस्तक में सुप्रीम कोर्ट के जजों की नियुक्ति से जुड़ी घटना का उल्लेख

■ कौल ने कहा कि सरकार से सलाह लेने और नियुक्ति से पहले उसकी मंजूरी लेने में बड़ा अंतर है। कोलीजियम की औपचारिक चर्चा से पहले सरकार की सहमति लेना न्यायिक स्वतंत्रता के लिए चिंता का विषय है।

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लेकर पूर्व जजों के बीच मतभेद सामने आए हैं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। कौल का आरोप है कि जजों की नियुक्ति के मामले में चंद्रचूड़ सरकार के प्रति जरूरत से ज्यादा नरम थे। उन्होंने कहा कि कोलीजियम को सरकार के दबाव का विरोध करना चाहिए, ताकि न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनी रहे।

पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल ने अपनी आने वाली किताब "विदाउट फियर ऑर फेवर" में सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति से जुड़ी एक घटना का जिक्र किया है। उनके मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट में छह खाली पदों को भरने के लिए कोलीजियम की बैठक होनी थी। इससे पहले पांच नामों पर सहमति बन चुकी थी।

कौल का दावा है कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ ने आखिरी समय में छठे नाम का प्रस्ताव रखा और सरकार की राय जानने के लिए फोन करने पर विचार किया। कौल ने कहा कि उन्होंने इस नाम पर असहमति जताई थी और उन्हें लगता था कि कोलीजियम के दूसरे सदस्य भी इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

कौल ने कहा कि चंद्रचूड़ ने उन्हें अलग कमरे में बुलाकर सरकार की राय लेने के लिए फोन करने की बात कही थी। कौल के मुताबिक, उन्होंने इसका विरोध किया, क्योंकि उनके विचार में नियुक्तियों पर फैसला कोलीजियम की औपचारिक बैठक में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चंद्रचूड़ चाहते थे कि वह छठे नाम पर सहमत हो जाएं, लेकिन कौल का मानना था कि कोलीजियम के अन्य सदस्य भी उस नाम को स्वीकार नहीं करेंगे। कौल ने यह आशंका भी जताई कि संभव है कि कुछ नामों, यहां तक कि छठे नाम पर भी, सरकार से पहले ही किसी तरह की सहमति ली गई हो। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ पहले से नामों पर चर्चा करने की प्रक्रिया पहले भी चलती रही और बाद में भी जारी रही।

कौल ने कहा कि सरकार से सलाह लेने और नियुक्ति पर पहले से उसकी मंजूरी लेने में बड़ा अंतर है। उनके मुताबिक, कोलीजियम की औपचारिक चर्चा से पहले सरकार की सहमति लेना न्यायिक स्वतंत्रता के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम को कार्यपालिका यानी सरकार के दबाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वायु सेना के 100 विमानों ने "विंग्स ओवर गंगा" में करतब दिखाए

प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्री, राज्यपाल व मुख्यमंत्री के साथ वाराणसी में एयर शो देखा

■ वायु सेना के शानदार हवाई प्रदर्शन में सुखोई-30, एमकेआई, राफेल, मिराज-2000, मिग-29, एलसीए तथा जैगुआर जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने अपनी ताकत व युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया।

वाराणसी, 25 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के नमो घाट से भारतीय वायुसेना के शौर्य, कौशल और अदम्य पराक्रम का शानदार नजारा देखा। भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित "विंग्स ओवर गंगा" के तीसरे दिन "एयर फोर्स डे एरियल डिस्प्ले-2026" में 100 विमानों और हेलीकॉप्टरों ने गंगा के ऊपर हैरतअंगेज हवाई करतब दिखाए। लड़ाकू विमानों की गर्जना, तेज रफ्तार और रोमांचक फॉर्मेशन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

हवाई प्रदर्शन में सुखोई-30 एमकेआई, राफेल, मिराज-2000, मिग-29, एलसीए और जगुआर जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने अपनी ताकत और युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया। हार्वर्ड विमान के साथ सूर्यकिरण और सारंग एरोबेटिक टीमों ने भी अपने शानदार करतबों से दर्शकों का ध्यान खींचा।

अलग-अलग दिशाओं से विमानों की आवाजाही, तेज रफ्तार, सटीक तालमेल और आकर्षक फॉर्मेशन ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एयर शो में लड़ाकू विमानों के अलावा हेलीकॉप्टर, परिवहन और सहायक विमानों ने भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन में भारतीय थल सेना के दो एएलएच हेलीकॉप्टरों के साथ भारतीय नौसेना के एक पी-8आई विमान और एक कामोव-31 हेलीकॉप्टर ने भी भागीदारी की। इस भव्य हवाई प्रदर्शन में कुल 100 विमानों ने हिस्सा लिया।

'खड़गे ने प्रधानमंत्री के पिताजी पर अभद्र टिप्पणी की'

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं गृह मंत्री अमित शाह ने पटना में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी की कड़ी आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज पटना में

■ गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, यह टिप्पणी कांग्रेस की हताशा व निराशा को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री के पिताजी के बारे में अभद्र टिप्पणी कर सारी मर्यादाएँ तार-तार कर दी हैं। बीते 12 वर्षों में लगातार मिल रही चुनावी हार से कांग्रेस पार्टी में हताशा व निराशा इतनी बढ़ चुकी है कि अब उसके पास न कोई नीति बची है, न कोई मुद्दा, बस गाली-गलौज की राजनीति बची है।

एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री मोदी या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाषण में टोकने से उत्तेजित खड़गे बोले, "मोदी का बाप भी जाएगा"

पटना में कांग्रेस अध्यक्ष के भाषण के बीच एक युवक ने कहा, "मोदी नहीं जाएगा", इस पर खड़गे भड़क गए

■ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उस युवक की पिटाई की और उसे हॉल से बाहर कर दिया।

पटना, 25 अक्टूबर। एक विवादित वीडियो सामने आया है जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पटना में संबोधन के दौरान पीएम मोदी के पिता पर विवादित बयान दिया है। खड़गे ने कहा कि "मोदी का बाप भी जाएगा"। खड़गे ने यह बयान उस वक्त दिया, जब एक शख्स उनकी स्पीच के बीच में बोल पड़ा कि "मोदी नहीं जाएगा"। इसके बाद खड़गे ने नाराज होते हुए कहा कि "मोदी का बाप भी जाएगा।"

खड़गे जब पटना में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, उस वक्त भीड़ में से एक युवक ने कहा, "मोदी नहीं जाएगा।" इस पर खड़गे भड़क गए और उन्होंने कहा, "मोदी का बाप भी जाएगा।" खड़गे ने यह भी कहा कि मोदी की झूठ बोलने की आदत है।

कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने उस व्यक्ति की पिटाई की और उसे हॉल से हटा दिया, जिसने ये कहा था कि "मोदी नहीं जाएगा।" शख्स का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उसे धक्का देते हुए बाहर किया जा रहा है।

इससे पहले खड़गे ने बिहार के पहले सीएम कृष्ण सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि कृष्ण सिंह के समाज के लोग जमींदार थे, इसके वावजूद उन्होंने ने जमींदारी पद्धित को हटाने का काम किया। आजादी के बाद आरएसएस और दूसरी शक्तियां दंगा फैलाने में लगी थीं लेकिन कृष्ण सिंह ने मजबूती से उनका मुकाबला किया। जब तक इस देश में आरएसएस की आईडियोलॉजी खत्म नहीं होगी तब तक इस देश में शांति नहीं होगी, शांति को भंग करने वाले लोग यही हैं।

खड़गे ने कहा, "अभी भी विरोधी भावना के लोग बीजेपी आरएसएस में भरे हुए हैं। उत्तराखंड में आजादी के 80 साल बाद भी मंच का शुद्धिकरण किया गया। ये शुद्धिकरण करने वाले लोगों को भगाना है।"

पहलगाम में पारा शून्य से नीच पहुँचा

■ श्रीनगर में न्यूनतम तामान 2.9 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

श्रीनगर, 25 अक्टूबर। पहलगाम और गुलमर्ग जैसे पर्यटन स्थलों पर इस मौसम का पहला शून्य से नीचे का न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। यहां तापमान क्रमशः माइनस 0.3 डिग्री सेल्सियस और माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग में यह माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस रहा। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि काजीगुंड में यह 0.0 डिग्री सेल्सियस रहा। कोकरनाग में न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने ओडिशा में आरबीआई के डेटा सेंटर का उद्घाटन किया

भुवनेश्वर, 25 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ओडिशा के एक दिवसीय दौरे के दौरान खुर्दा जिले के जटनी स्थित इन्फो वैली-द्वितीय में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड डेटा सेंटर का उद्घाटन किया।

इसके साथ ही साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का भी उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ब्रजमोहन राम, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उप मुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव प्रमुख उपस्थित थे।

करीब 169 करोड़ रुपये की लागत से 18.55 एकड़ भूमि पर इस डेटा सेंटर का निर्माण किया गया है। नवी मुंबई

■ यह रिज़र्व बैंक का देश में दूसरा डेटा सेंटर है।

के बाद यह आरबीआई का दूसरा डेटा सेंटर है। इसके शुरू होने से देश के डिजिटल वित्तीय ढ ांचे को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

इस डेटा सेंटर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर (एनईएफटी) और रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) जैसे डिजिटल भुगतान माध्यमों से होने वाले लेनदेन से संबंधित सूचनाओं को सुरक्षित रखा जाएगा।

साइबर हमलों और तकनीकी गड़बड़ियों की स्थिति में भी बैंकिंग सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने में यह केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जामिया में छात्र आंदोलन तेज हुआ, वि.वि. प्रशासन ने सभी गेट बंद किए

परिसर में प्रवेश पर छात्रों व पुलिस में संघर्ष, भूख हड़ताल 13वें दिन भी जारी

■ भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों के समर्थन में बड़ी संख्या में छात्र पहुँच रहे थे, पर सभी गेट बंद होने के कारण उन्हें परिसर में प्रवेश नहीं मिला। भूख हड़ताली छात्रों ने प्रशासन पर बिजली-पानी नहीं देने का आरोप लगाया।

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्र संघ चुनाव बहाली को लेकर जारी आंदोलन और सुरक्षा के चलते ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने के फैसले का छात्रों ने बहिष्कार करने का एलान किया है। इस संबंध में जामिया कुलपति प्रो. मजहर आसिफ को पत्र लिखकर विरोध दर्ज कराया गया है। रविवार को जामिया के सभी गेटों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। परिसर में प्रवेश को लेकर सुरक्षाकर्मियों और छात्रों के बीच तनातनी देखने को मिली। दोपहर को गेट नंबर सात के बाहर हंगामा भी हुआ। इसके अलावा भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों ने प्रशासन पर पानी न देने और लाइट बंद करने का आरोप लगाया।

रविवार को जामिया के गेट नंबर चार और सात पर दिनभर तनातनी के माहौल के बीच बड़ी संख्या में छात्र भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों के समर्थन में वहाँ पहुंच रहे थे। मगर, जामिया छात्रों के लिए बंद होने के चलते किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा था। प्रवेश के लिए छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच टकराव हुआ। छात्रों ने "दिल्ली पुलिस गो बैक" और मुर्दाबाद के नारे लगाए। गेट नंबर सात पर पहुंची छात्राओं को पुलिस ने जबरन हटाया। इस दौरान एक राजनीतिक दल का कार्यकर्ता भी समर्थकों के साथ पहुंचा। उसको भी सुरक्षाकर्मियों ने खदेड़ दिया। इस बीच पुलिस द्वारा छह-सात छात्रों को हिरासत में लिए जाने की जानकारी भी सामने आई।

जामिया प्रशासन द्वारा सभी गेट बंद रखने के फैसले के कारण हॉस्टल में रहने वाले छात्रों को भी आवाजाही में मुश्किल हुई। छात्राओं को प्रवेश पाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। ज्ञातव्य है कि जामिया परिसर के बाहर सभी जगह सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। जिससे कोई भी अंदर दाखिल न हो सके। कैंटीन, लाइब्रेरी और सभी दरवाजों को बंद कर दिया गया है।

जामिया छात्रों ने जामिया कुलपति और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर को ईमेल के जरिए पत्र लिखकर ऑनलाइन कक्षाओं के बहिष्कार का एलान किया है। छात्रों ने सेंट्रल लाइब्रेरी, कैंटीन और विश्वविद्यालय के सभी गेट तत्काल खोलने की मांग की है। छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रशासन के इस फैसले से उनके शैक्षिणक और लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित होते हैं। छात्रों का कहना है कि जब देश में कोई आपातकाल या लॉकडाउन नहीं है, तो परिसर की गतिविधियों पर इस तरह की रोक लगाना अनुचित है।

बता दें कि जामिया में 12 अक्तूबर से छात्रों की भूख हड़ताल जारी है। इस बीच 17 अक्तूबर को छात्रों को हटाने पर काफी बवाल हुआ था। 24 अक्तूबर को भी प्रशासन और छात्रों के बीच टकराव देखने को मिला था। भूख हड़ताल पर बैठे छात्र रेहान हैदर ने आरोप लगाया कि उनको पीने के लिए मिलना वाली पानी बंद कर दिया गया है। यहां तक कि लाइट भी बंद कर दी गई। लंबी भूख हड़ताल का असर छात्रों के स्वास्थ्य पर दिखने लगा है। छात्र रेहान हैदर ने कहा कि जासिम का सात किलोग्राम, एबिन का छह किलोग्राम और रेहान पंवार का चार किलोग्राम और मेरा सात किलोग्राम वजन कम हो गया है।

इसरो के पास 2029 तक चार लॉन्च पैड होंगे

चेन्नई, 25 अक्टूबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) देश के अंतरिक्ष अभियानों को एक अभूतपूर्व ऊंचाई पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हाल ही में एक निजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने गर्व के

■ इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने एक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में यह घोषणा की।

साथ घोषणा की कि वर्ष 2029 तक भारत के पास चार पूरी तरह से क्रियाशील लॉन्च पैड होंगे।

अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की बढ़ ती साख और वैश्विक मांग को पूरा करने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के कुलासेकरपट्टिनम में 2,000 एकड़ में एक समर्पित स्माल सेटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) काम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है।

इस अत्याधुनिक स्पेसपोर्ट में एकीकरण भवन, लॉन्च पैड, रेल-ट्रैक सिस्टम और अत्याधुनिक टेलीमेट्री तथा कमांड सिस्टम जैसी महत्वपूर्ण बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।